सखी बिनु राधा कान्हा कछु नाहीँ

सखी बिनु राधा, कान्हा कछु नाहीँ :

सखी बिनु राधा, कान्हा कछु नाहीँ,
मन अधीर बिकल अति विह्वल,
चितवत चंद चकोर की नाईं,
सखी बिनु राधा--------

श्री बिहीन राधा बिनु कान्हा,
जियँ गति जल बिनु मीन की नाईं,
सखी बिनु राधा-------

कान्हा की गति, कान्हा ही जानें,
श्री राधे मोरे ह्रदय मोरे ह्रदय समाहीं,
सखी बिनु राधा,कान्हा कछु नाहीँ

रचना आभार : ज्योति नारायण पाठक
वाराणसी

Source: https://www.bharattemples.com/sakhi-binu-radha-kanha-kuchu-naahi/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw